

विशेष निवेश का प्रबंधन सीखेंगे डीआईसी के जीएम व उद्यमी मित्र

कौशल कनेक्ट मिशन के माध्यम से उद्योगों को मिलेगा तैयार मैनपावर

अमर उजाला ब्यूरो

**40 लाख करोड़ के एमओयू
को जमीन पर उतारने के
लिए नई रणनीति**

लखनऊ। प्रदेश में हुए करीब 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौतों (एमओयू) को धरातल पर उतारने के लिए सरकार अब प्रशासनिक और तकनीकी स्तर पर बड़ी तैयारी में जुट गई है। इसके तहत जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) के महाप्रबंधकों (जीएम) और उद्यमी मित्रों को विशेष निवेश प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अधिकारियों को रिलेशनशिप मैनेजर के रूप में तैयार करने के लिए शीर्ष संस्थानों से कोर्स भी कराए जा रहे हैं, जिससे वे निवेशकों की जरूरतों को बेहतर ढंग से समझ सकें।

इन्वेस्ट यूपी के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक निवेश परियोजनाओं की

मॉनिटरिंग और फील्ड स्तर पर समस्याओं के समाधान में तेजी लाने के लिए जीएम डीआईसी की भूमिका को मजबूत किया जा रहा है। उन्हें तकनीकी, वित्तीय और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट से जुड़ी ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वे निवेशकों के लिए सिंगल प्वाइंट फैसिलिटेटर की तरह काम कर सकें। यह पहल इन्वेस्ट यूपी और अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग की संयुक्त रणनीति का हिस्सा है। निवेश को जमीन पर उतारने में उद्यमी मित्रों की भूमिका भी अहम है, जिन्हें उद्योगों और प्रशासन के बीच सेतु के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा।

प्रशिक्षित युवाओं को स्थानीय उद्योगों में प्राथमिकता

इस प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के लिए इन्वेस्ट यूपी ने द कन्वरजेन्स फाउंडेशन (टीसीएफ) के साथ करार किया है। इसके तहत प्रशिक्षण, प्लेसमेंट और स्किल मैपिंग को आधुनिक तकनीकी आधार पर लागू किया जाएगा। खासतौर पर आईटीआई और अन्य तकनीकी संस्थानों से प्रशिक्षित युवाओं को स्थानीय उद्योगों में प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार का फोकस अब बड़े शहरों के बजाय छोटे जिलों पर भी बढ़ गया है, जहां निवेश परियोजनाओं के साथ स्थानीय युवाओं को रोजगार दिलाने की रणनीति बनाई जा रही है।

इसी कड़ी में कौशल कनेक्ट मिशन को भी तेज किया गया है। इस मिशन के तहत उद्योगों की मांग के अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षित कर सीधे रोजगार से जोड़ा जाएगा। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन और उद्योगों के बीच समन्वय बढ़ाकर 'ब्लू कॉलर जॉब' यानी कम प्रशिक्षित रोजगार के लिए तैयार मैनपावर उपलब्ध कराई जाएगी।

अधिकारी के मुताबिक, इन्वेस्ट यूपी के कौशल कनेक्ट सेल के जरिए आईटीआई, पॉलिटेक्निक और अन्य प्रशिक्षण संस्थानों के छात्रों को उद्योगों से जोड़ा जा रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अवसर बढ़ें। यह प्लेटफॉर्म उद्योगों की जरूरत के हिसाब से मैनपावर की मैपिंग करता है और उसी के अनुसार प्रशिक्षण सुनिश्चित करता है।